

कार्यशाला – “डीपीडीपी अधिनियम: निजता को सुदृढ़ बनाना – चर्चा एवं आईटी अनुप्रयोगों में कार्यान्वयन”

डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम (DPDP Act) पर एक दिवसीय जागरूकता एवं क्षमतावर्धन कार्यशाला 25 जुलाई 2025 को एनआईसी पंजाब द्वारा DGSD, NIC मुख्यालय के सहयोग से सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इस कार्यशाला में पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ (यूटी) से वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, विषय विशेषज्ञ तथा प्रमुख हितधारकों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को नवीनतम लागू डीपीडीपी अधिनियम तथा इसके डिजिटल शासन, नागरिकों की निजता और आईटी अनुप्रयोगों पर प्रभाव के प्रति जागरूक करना था।

कार्यशाला का उद्घाटन श्री अमित तलवार, आईएस, विशेष सचिव एवं निदेशक, शासन सुधार एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, पंजाब द्वारा किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने मजबूत डेटा संरक्षण पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और सभी सरकारी विभागों में अनुपालन सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने एनआईसी पंजाब की सुरक्षित डिजिटल अवसंरचना के विकास में निभाई गई सक्रिय भूमिका की सराहना भी की।

श्री विवेक वर्मा, डीडीजी एवं एसआईओ पंजाब, ने प्रतिभागियों का औपचारिक स्वागत किया और डिजिटल युग में डेटा संरक्षण के महत्व को रेखांकित किया। परिचय सत्र श्री प्रशांत कुमार मित्तल, डीडीजी एवं प्रमुख (DGSD), एनआईसी मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा लिया गया। उन्होंने “डीपीडीपी अधिनियम एवं नियमावली” पर विस्तृत तकनीकी प्रस्तुति दी, जो निजता, शासन और कार्यान्वयन रणनीति पर आगे की चर्चा की आधारशिला बनी।

कार्यशाला में श्री सरबजीत सिंह, एसआईओ हरियाणा, एवं श्री रमेश गुप्ता, डीडीजी एवं एसआईओ, एनआईसी चंडीगढ़ (यूटी) ने अपनी-अपनी टीमों के साथ सक्रिय सहभागिता की। एनआईसी पंजाब स्टेट सेंटर के अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

चाय अवकाश के बाद के सत्र में श्री प्रशांत मित्तल (डीडीजी एवं प्रमुख, डेटा गवर्नेंस एवं रणनीति प्रभाग) तथा श्री राकेश माहेश्वरी (पूर्व वरिष्ठ निदेशक एवं समूह समन्वयक, साइबर कानून एवं डेटा गवर्नेंस) द्वारा डीपीडीपी रूपरेखा के प्रशासनिक और रणनीतिक कार्यान्वयन पर महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए गए।

दोपहर के बाद के सत्र में श्री मुकेश गुप्ता, प्रमुख, डेटा गवर्नेंस एवं रणनीति प्रभाग एवं वैज्ञानिक ‘एफ’ और श्री आकाश अग्रवाल, सलाहकार, DGSD प्रभाग द्वारा दो तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों में कानूनी, संचालनात्मक एवं तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने डेटा न्यूनता (Data Minimization), सहमति प्रबंधन (Consent Management), तथा सुरक्षित डेटा प्रोसेसिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों के साथ-साथ चुनौतियों और सर्वोत्तम प्रथाओं पर भी चर्चा की।

कार्यशाला के दौरान आयोजित मुक्त चर्चा मंच में प्रतिभागियों ने प्रायोगिक प्रश्न पूछे, जिनका समाधान विशेषज्ञों और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया गया।

अंत में श्री विक्रम जीत ग्रोवर, एसआईओ (राज्य), एनआईसी पंजाब ने सभी अतिथियों, वक्ताओं, आयोजकों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए समापन भाषण दिया। उन्होंने सरकारी

प्रणालियों में व्यक्तिगत डेटा के **नैतिक और सुरक्षित उपयोग** के लिए **साझा उत्तरदायित्व** की भावना को दोहराया।

यह आयोजन **एनआईसी पंजाब** द्वारा गठित एक समिति के माध्यम से आयोजित किया गया, जिसका नेतृत्व **श्री विवेक वर्मा, एसआईओ, एनआईसी पंजाब** द्वारा किया गया। समिति के अन्य सदस्य थे:

- **सुश्री उषा राय**, अध्यक्ष, एसआईओ (जिले) एवं प्रमुख
- **श्री दिनेश शर्मा**, सदस्य, वैज्ञानिक-एफ एवं प्रमुख
- **श्री संजय साहनी**, सदस्य, वैज्ञानिक-एफ
- **श्री पंकज जैन**, सदस्य, वैज्ञानिक-ई

कुल मिलाकर, यह कार्यशाला भारत के **डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम** को लागू करने की दिशा में **संस्थागत तैयारी और जागरूकता** बढ़ाने की दिशा में एक **महत्वपूर्ण कदम** सिद्ध हुई। इसने **निजता एवं सुशासन** के प्रति सार्वजनिक डिजिटल अवसंरचना में **दृढ़ प्रतिबद्धता** को और बल प्रदान किया।

Workshop on “DPDP Act: Enhancing Privacy – Discussions and Implementation in IT Applications”

A day-long **Awareness and Capacity Building Workshop on the Digital Personal Data Protection (DPDP) Act** was successfully organized by NIC Punjab in collaboration with DGSD, NIC Hqrs. on **25th July 2025**, bringing together senior state government officials, domain experts, and key stakeholders from **Punjab, Haryana, and Chandigarh (UT)**. The event focused on sensitizing participants on the newly enacted DPDP Act and its implications on digital governance, citizen privacy, and IT application design.

The workshop was **inaugurated by Shri Amit Talwar, IAS**, Special Secretary & Director, **Department of Governance Reforms & Information Technology, Punjab**. In his address, Shri Talwar emphasized the urgent need to build a robust data protection ecosystem and ensure compliance across government departments. He also commended **NIC Punjab** for proactive role in developing a secure digital infrastructure.

Shri Vivek Verma, DDG & SIO Punjab, formally welcomed the participants and highlighted the growing importance of data protection in the digital era. The introductory session was delivered by **Shri Prashant Kumar Mittal**, DDG & HoG (DGSD), NIC Headquarters, New Delhi, who also conducted a detailed technical session on “**DPDP Act and DPDP Rules**”, laying the foundation for a nuanced discussion on privacy, governance, and implementation strategy.

The workshop witnessed active participation from **Shri Sarbjeet Singh**, SIO Haryana, and **Shri Ramesh Gupta**, DDG & SIO NIC Chandigarh UT, along with their respective teams. Officers from **NIC Punjab State Centre** were also in attendance.

Post tea-break, sessions by senior officers including **Shri Prashant Mittal, DDG & HOG (HOD Data Governance & Strategy Division)** and **Shri Rakesh Maheshwari**, Former Senior Director and Group Coordinator Cyber Law and Data governance, provided deep administrative and strategic insights into the operationalization of the DPDP framework within government workflows.

The **post-lunch sessions** featured expert talks by **Shri Mukesh Gupta, HOD Data Governance & Strategy Division and Scientist ‘F’** and **Mr. Akash Aggarwal**, Consultant DGSD division, who conducted two technical sessions focusing on the **legal, operational, and technological aspects** of data protection. Their presentations covered key areas such as **data minimization, consent management, and secure data processing**, while also discussing challenges and best practices.

An **open discussion forum** enabled interactive dialogue, with participants posing practical queries that were addressed by the panel of experts and senior officers.

The workshop concluded with a **vote of thanks by Shri Vikram Jeet Grover**, ASIO (State), NIC Punjab, who acknowledged the contributions of all dignitaries, speakers, and attendees. He reiterated the shared responsibility in ensuring ethical and secure handling of personal data in government systems.

The event was **organized by NIC Punjab** through a committee constituted under the leadership of Sh Vivek Verma, SIO NIC Punjab along with the following

- **Ms. Usha Rai**, Chairman, ASIO (Districts) & HOD
- **Sh. Dinesh Sharma**, Member, Scientist-F & HOD
- **Sh. Sanjay Sawhney**, Member, Scientist-F
- **Sh. Pankaj Jain**, Member, Scientist-E

Overall, the workshop served as a pivotal step toward institutional readiness and awareness-building for the enforcement of **India's Digital Personal Data Protection Act**, reinforcing the commitment to privacy and good governance in public digital infrastructure.



Glimpses of the workshop